



# बिहार गजट

## असाधारण अंक

### बिहार सरकार द्वारा प्रकाशित

---

8 आश्विन 1936 (श0)  
(सं0 पटना 797) पटना, मंगलवार, 30 सितम्बर 2014

---

सं0 08/आरोप-01-199/2014,सां0प्र0-12054

सामान्य प्रशासन विभाग

संकल्प

01 सितम्बर 2014

श्री रवीन्द्र कुमार गुप्ता (बि0प्र0से0), कोटि क्रमांक 568/08 तत्कालीन प्रखंड विकास पदाधिकारी, दरौली, सीवान के विरुद्ध जिला पदाधिकारी, सीवान के ज्ञापांक 1578 दिनांक 05.04.1998 द्वारा एक भूमिहीन एवं प्रश्रयप्राप्त व्यक्ति को पूर्व में निर्गत एवं माननीय उच्च न्यायालय द्वारा सी0डब्लू0जे0सी0 संख्या 5268/90 "ध्रुव जी प्रसाद बनाम बिहार सरकार" में बहाल रखे गये वासगीत पर्चा को राजस्व शक्तियाँ अप्राप्त रहते हुए जालसाजी, हेराफेरी एवं व्यक्तिगत स्वार्थ से वशीभूत होकर अपने क्षेत्राधिकार से बाहर जा कर दोनों पक्षों को सुने बिना रद्द कर देने के आरोप के लिए श्री गुप्ता से विभागीय पत्रांक 6473 दिनांक 12.06.1998 द्वारा स्पष्टीकरण की मांग की गई तथा जिला पदाधिकारी, सीवान के पत्रांक 162 दिनांक 28.01.2010 तथा राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग, बिहार, पटना के पत्रांक 623 दिनांक 14.07.2010 द्वारा मंतव्य दिया गया कि श्री गुप्ता द्वारा समर्पित स्पष्टीकरण पर विभागीय स्तर पर ही समुचित निर्णय लिया जाय। तद्आलोक में विभागीय संकल्प ज्ञापांक 7727 दिनांक 07.07.2011 द्वारा श्री गुप्ता के विरुद्ध विभागीय कार्यवाही संचालित की गयी।

2. संचालन पदाधिकारी आयुक्त, सारण प्रमंडल, छपरा के पत्रांक 32 दिनांक 01.02.2012 द्वारा प्राप्त जाँच प्रतिवेदन से असहमत होते हुए विभागीय पत्रांक 8156 दिनांक 24.05.2013 द्वारा श्री गुप्ता को जाँच प्रतिवेदन की प्रति भेजते हुए अभ्यावेदन की मांग की गई। श्री गुप्ता द्वारा समर्पित अभ्यावेदन के समीक्षोपरांत अस्वीकार योग्य पाते हुए विभागीय संकल्प ज्ञापांक 17952 दिनांक 25.11.2013 द्वारा श्री गुप्ता को निम्नलिखित शास्ति अधिरोपित की गई :-

(i) निन्दन।

(ii) असंचयात्मक प्रभाव से दो वेतन वृद्धियों पर रोक।

3. उक्त दंडादेश के विरुद्ध श्री गुप्ता द्वारा अपना अभ्यावेदन पत्रांक 81 दिनांक 18.06.2014 समर्पित किया जिसमें उनके द्वारा मूल रूप में कहा गया कि उनके विरुद्ध लगाये गये आरोप वर्ष-98 से संबंधित है तथा तमाम कार्रवाई के उपरांत वर्ष-2013 में दंड दिया गया यदि ससमय कार्रवाई हो गयी होती तो दिये गये दंड का प्रभाव काफी पहले समाप्त हो जाता परन्तु वर्ष-13 के संकल्प में दंड का प्रभाव आदेश की तिथि से प्रभावी होने के कारण उनकी प्रोन्नति आदि सभी बाधित हो गयी। साथ ही उनके द्वारा यह भी अंकित किया गया कि कोटि क्रमांक में उनसे नीचे के पदाधिकारी की प्रोन्नति हो गयी। उक्त आधार पर दोष मुक्त कर प्रोन्नति देने का अनुरोध किया गया।

4. श्री गुप्ता द्वारा समर्पित अभ्यावेदन पत्रांक-81 दिनांक 18.06.2014 पर अनुशासनिक प्राधिकार द्वारा समीक्षोपरांत पाया गया कि उनके द्वारा अपने अभ्यावेदन में कोई नया तथ्य प्रस्तुत नहीं किया गया है, फलतः उन्हें दिये गये शास्ति में कोई संशोधन का तार्किक आधार नहीं बनता है, अतः श्री गुप्ता द्वारा समर्पित अभ्यावेदन को अस्वीकृत करने का निर्णय लिया जाता है।

आदेश :-आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की प्रति बिहार राजपत्र के अगले असाधारण अंक में प्रकाशित किया जाय तथा इसकी प्रति सभी संबंधितों को भेज दी जाय।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,  
केशव कुमार सिंह,  
सरकार के अपर सचिव।

---

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,  
बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।  
बिहार गजट (असाधारण) 797-571+10-डी0टी0पी0।  
Website: <http://egazette.bih.nic.in>